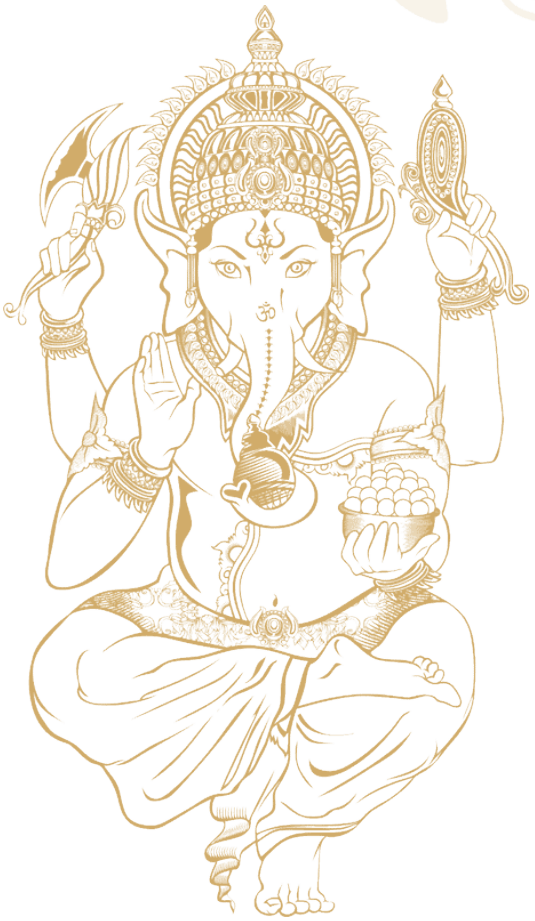

Yash

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119717903

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/07/1998	जन्म तिथि	11/07/1998
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 15:29:00	जन्म समय	20:43:00 घंटे
घटी 24:46:54	जन्म समय(घटी)	37:47:26 घटी
India	देश	India
Alwar	स्थान	Alwar
27:32:00 उत्तर	अक्षांश	27:32:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व	रेखांश	76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40	स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:34:14	सूर्योदय	05:36:01
19:22:33	सूर्यास्त	19:21:55
23:50:03	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:04

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 7वर्ष 5मा 5दि		29:53:09	तुला	लग्न	मक	18:39:37	चन्द्र 2वर्ष 6मा 7दि	
शुक्र		21:15:51	मिथु	सूर्य	मिथु	25:17:03	राहु	
11/12/2012		24:10:17	वृश्चि	चंद्र	मक	19:58:22	18/01/2008	
11/12/2032		06:52:11	मिथु	मंगल	मिथु	09:42:50	17/01/2026	
शुक्र	12/04/2016	15:48:29	कर्क	बुध	कर्क	21:15:44	राहु	30/09/2010
सूर्य	12/04/2017	04:02:28	मीन	गुरु	मीन	04:09:27	गुरु	22/02/2013
चन्द्र	12/12/2018	21:30:46	वृष	शुक्र	वृष	26:33:26	शनि	30/12/2015
मंगल	11/02/2020	08:29:07	मेष	शनि	मेष	08:44:36	बुध	19/07/2018
राहु	11/02/2023	08:39:08	सिंह व	राहु व	सिंह	08:13:12	केतु	06/08/2019
गुरु	12/10/2025	08:39:08	कुंभ व	केतु व	कुंभ	08:13:12	शुक्र	06/08/2022
शनि	11/12/2028	17:57:11	मक व	हर्ष व	मक	17:48:20	सूर्य	01/07/2023
बुध	12/10/2031	07:22:31	मक व	नेप व	मक	07:15:55	चन्द्र	30/12/2024
केतु	11/12/2032	11:52:15	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	11:47:33	मंगल	17/01/2026

लग्न-चलित

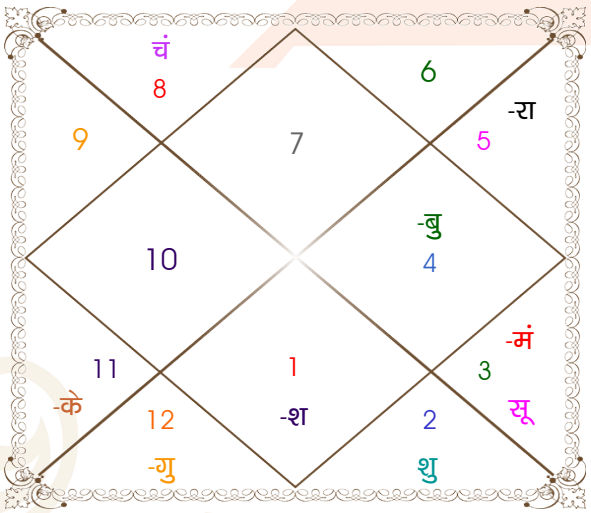

लग्न-चलित

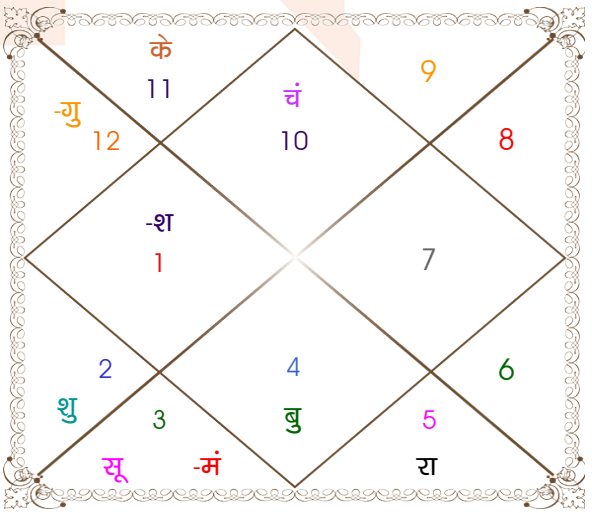

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.00		

लैे का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार लैे और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

लैे मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

लैे तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।